करेंट अफेयर्स झारखंड

अक्तूबर 2021 (संग्रह)

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
फोन: 8750187501
ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

झारखंड **5**

- कायाकल्प पुरस्कार 5
- रांची के कांके में बनेगी मेडिको सिटी 5
- बीएसएनएल की जमशेदपुर में 1 लाख फाइबर इंटरनेट कनेक्शन लगाने की योजना 5
- 'गतका' चैंपियनशिप में झारखंड को कांस्य पदक 6
- राज्य के 6 ज़िलों में साइबर फोरेंसिक लैब 6
- राज्य के 19 ज़िलों में 27 पीएसए संयंत्रों का उद्घाटन 7
- सक्रिय म्यूकोर्मिकोसिस मामलों वाला राँची एकमात्र ज़िला 7
- सीसीएल अस्पतालों में कई ऑक्सीजन संयंत्रों का उद्घाटन 8
- झारखंड उच्च न्यायालय में 4 नये न्यायाधीशों की नियुक्ति 8
- मोबाइल वैन से एक लाख टीका लगाने वाला ज़िला 8
- झारखंड उच्च न्यायालय को मिला एक और न्यायाधीश 9
- पीडीएस के तहत 58.91 लाख परिवारों को मुफ्त चावल 9
- निफ्ट, हटिया ने जीता वेस्ट पेपर अवॉर्ड 10
- नीति आयोग की डेल्टा रैंकिंग में झारखंड का रामगढ़ सबसे पीछे 10
- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) योजना 10

नोट :

- कोजागरा उत्सव 11
- 11वीं राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप 11
- राँची में बनेगा वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 12
- 'सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय प्रधानाचार्य' का पुरस्कार 12
- 'सर्वश्रेष्ठ नागरिक' का पुरस्कार 13
- झारखंड स्कूल इनोवेशन चैलेंज, 2021 13
- रोहन सरकार 13
- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जैप-9 में पारण परेड (पासिंग आउट) का निरीक्षण किया 14
- केंद्रीय ऊर्जा योजना 14
- सीमेंट प्लांट के लिये निवेश 15
- 'ग्रामीणों की आस, मनरेगा से विकास' 15
- 11वाँ राष्ट्रीय महिला जूनियर हॉकी चैंपियनशिप 15

दृष्टि The Vision

नोट :

नोट :

झारखंड

कायाकल्प पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- 30 सितंबर, 2021 को झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता द्वारा वर्ष 2019-20 एवं 2020-21 के लिये 67 सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधा केंद्रों को कायाकल्प पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रमुख बिंदु

- स्वास्थ्य मंत्री द्वारा प्रदान किये गए पुरस्कारों में वर्ष 2019-20 के लिये पाकुड़ ज़िला अस्पताल को एवं 2020-21 के लिये रामगढ़ तथा खूंटी ज़िला अस्पतालों को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। इनके अतिरिक्त 32 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (PHCs), 4 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (CHCs) तथा 28 स्वास्थ्य एवं देखभाल केंद्रों को भी कायाकल्प पुरस्कार प्रदान किया गया।
- उललेखनीय है कि कायाकल्प पुरस्कार वर्ष 2015 से स्वास्थ्य देखभाल सुविधा केंद्रों को कैंपस में स्वच्छता बनाए रखने के लिये दिया जाता है।

रांची के कांके में बनेगी मेडिको सिटी

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अरूण कुमार सिंह ने जानकारी दी कि रांची के कांके स्थित रिनपास में मेडिको सिटी बनाई जाएगी।

प्रमुख बिंदु

- मेडिको सिटी का निर्माण 100 एकड़ ज़मीन पर किया जाएगा।
- मेडिको सिटी बनने से राज्य में ही लोगों को सुपरस्पेशिलिटी स्वास्थ्य सुविधाएँ प्राप्त हो सकेगी तथा ईलाज़ के लिये राज्य से बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

बीएसएनएल की जमशेदपुर में 1 लाख फाइबर इंटरनेट कनेक्शन लगाने की योजना

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) ने जमशेदपुर में अगले तीन सालों में 1 लाख नए फाइबर इंटरनेट कनेक्शन लगाने का निर्णय लिया है।

प्रमुख बिंदु

- वर्तमान में झारखंड में बीएसएनएल के 'फाइबर टू द होम' (FTTH) इंटरनेट सर्विस के कुल 35,000 उपभोक्ता है, जिसमें से 17,000 उपभोक्ता केवल जमशेदपुर में हैं।
- झारखंड सर्किल में BSNL 'फाइबर इंटरनेट सर्विस के कुल विकास में जमशेदपुर की हिस्सेदारी लगभग 45% है। फलत: कंपनी का मुख्य फोकस जमशेदपुर है।

- BSNL ने जमशेदपुर व्यावसायिक क्षेत्र में आने वाले पूर्वी सिंहभूम से सटे तीन अन्य ज़िलों, यथा- सरायकेला, खरसांवां और पश्चिमी सिंहभूम में भी इस सेवा का विस्तार करने को फोकस कर रही है।

'गतका' चैंपियनशिप में झारखंड को कांस्य पदक

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में पंजाब के पटियाला स्थित नेशनल कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन में आयोजित 5वीं ऑल इंडिया गतका चैंपियनशिप में झारखंड के विनायक वैभव ने कांस्य पदक जीता।

प्रमुख बिंदु

- सिक्ख मार्शल आर्ट शैली 'गतका' प्रतियोगिता में 23 राज्यों के खिलाड़ी सम्मिलित हुए थे, जिसमें से झारखंड के विनायक वैभव ने कांस्य पदक जीता।
- विजेता खिलाड़ियों को 'गतका पेडरेशन ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष हरचरण सिंह भुल्लर, महासचिव बलजिंदर सिंह तूर एवं नेशनल कोऑर्डिनेटर दिलीप सिंह के द्वारा पुरस्कृत किया गया।
- वहीं 'झारखंड गतका एसोसिएशन' द्वारा विनायक वैभव एवं पूरी टीम के स्वागत समारोह का आयोजन नन्हे कदम प्ले स्कूल में किया गया।
- विदित हो कि गतका एक परंपरागत मार्शल आर्ट है, जो ऐतिहासिक रूप से सिक्ख गुरुओं से संबंधित है। वर्ष 2008 में 'गतका पेडरेशन ऑफ इंडिया' की स्थापना के साथ 'गतका' ने खेल क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसे वर्ष 2021 में 'खेलो इंडिया यूथ गेम' में भी सम्मिलित कर लिया गया है।

राज्य के 6 ज़िलों में साइबर फोरेंसिक लैब

चर्चा में क्यों ?

- 6 अक्तूबर, 2021 को झारखंड के सूचना प्रौद्योगिकी और ई-गवर्नेंस विभाग के अनुसार साइबर अपराधों से निपटने और साइबर स्पेस के इस्तेमाल से महिलाओं के खिलाफ अपराधों के अपराधियों का पता लगाने के लिये राज्य के छह ज़िलों में साइबर फोरेंसिक प्रयोगशालाएँ स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- आईटी और ई-गवर्नेंस विभाग के मुताबिक ये छह साइबर फोरेंसिक प्रयोगशालाएँ- देवघर, जमशेदपुर, जामताड़ा, पलामू, गिरिडीह और धनबाद में बनाई जाएंगी। उल्लेखनीय है कि जामताड़ा को भारत की 'साइबर अपराध राजधानी' के नाम से भी जाना जाता है।
- इसके लिये विभाग सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस कंप्यूटिंग (सी-डैक) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर करेगा।
- इन प्रयोगशालाओं का इस्तेमाल पुलिस द्वारा अपराध स्थल से बरामद किये गए मोबाइल फोन और कंप्यूटर जैसे विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर फोरेंसिक परीक्षण के लिये किया जाएगा और कानून प्रवर्तन एजेंसी को साइबर अपराधों के साथ-साथ अन्य प्रकृति के अपराधों को सुलझाने में मदद मिलेगी।
- झारखंड पुलिस के अनुसार, साइबर अपराधी (ज़्यादातर अंदरूनी इलाकों में रहने वाले स्कूल ड्रॉपआउट) लोगों को ठगने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक के रूप में 'फिशिंग' का उपयोग करते हैं। फिशिंग, एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें साइबर अपराधी फोन कॉल पर खुद को बैंकों और वित्त कंपनियों के भरोसेमंद प्रतिनिधियों के रूप में दर्शाते हैं और अपने लक्ष्य का व्यक्तिगत बैंकिंग विवरण मांगते हैं।
- उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जुलाई में, साइबर अपराध और साइबरस्पेस के बढ़ते उपयोग के साथ महिलाओं के खिलाफ अपराध से लड़ने के लिये देश भर में कम-से-कम 18 साइबर फोरेंसिक प्रयोगशालाओं की स्थापना की थी।

राज्य के 19 ज़िलों में 27 पीएसए संयंत्रों का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

- 6 अक्तूबर, 2021 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने राज्य के 19 ज़िलों में 27 पीएसए (Pressure Swing Adsorption) संयंत्रों सहित स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं का उद्घाटन किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने राँची सदर अस्पताल में प्रति मिनट 100 लीटर ऑक्सीजन उत्पादन की क्षमता वाले पीएसए संयंत्र और रिम्स, राँची में कोबास 6800 मशीन का भी उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री ने अंगारा, गोंडलीपोकर में बाल चिकित्सा उच्च निर्भरता इकाई (PHDU) का ऑनलाइन उद्घाटन भी किया। इस सुविधा की स्थापना योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से की गई है।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह ने कहा कि राज्य के 19 ज़िलों में 27 स्थानों पर कोविड-19 की रोकथाम एवं उपचार के लिये पीएसए प्लांट का उद्घाटन प्रधानमंत्री केयर फंड के तहत किया गया है, वहीं जनता को रक्त संबंधी सभी तरह की सुविधाएँ मुहैया कराने हेतु रिम्स में सेंट्रल लैबोरेटरी का निर्माण किया गया है।
- उन्होंने कहा कि कोबास 6800 लैब की स्थापना से कोविड-19 के आरटी पीसीआर सैंपल की प्रतिदिन 1200 से अधिक जाँच की जाएगी। साथ ही न्यू ट्रॉमा सेंटर में 256 स्लाइस सीटी स्कैन लगाने से मरीज़ों को फेफड़ों के विश्लेषण की स्कैनिंग के अलावा उच्च गुणवत्ता वाली ब्रेन कोरोनरी, एंजियोग्राफी भी मिल सकेगी।

सक्रिय म्यूकोर्मिकोसिस मामलों वाला राँची एकमात्र ज़िला

चर्चा में क्यों ?

- 7 अक्टूबर, 2021 को एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) द्वारा संकलित नवीनतम आँकड़ों के अनुसार झारखंड में राँची एकमात्र ज़िला है, जहाँ वर्तमान में म्यूकोर्मिकोसिस (Mucormycosis) के सक्रिय मामले बचे हैं।

प्रमुख बिंदु

- आईडीएसपी के आँकड़ों के अनुसार, पिछले आठ महीनों में राज्य के 24 ज़िलों में से कम-से-कम 18 ज़िलों में 50 प्रतिशत की मृत्यु दर के साथ फंगल संक्रमण फैल गया था और 31 लोगों की जान चली गई थी।
- राज्य में अब तक आए म्यूकोर्मिकोसिस के 168 मामलों में से 66 मामले और 31 मौतों में से 11 मौत राँची में हुई हैं।
- रिकॉर्ड के अनुसार, झारखंड में 7 अक्टूबर को म्यूकोर्मिकोसिस (जिसे आमतौर पर ब्लैक फंगस के रूप में जाना जाता है) के केवल तीन मरीज़ थे, और उन तीनों का राँची में इलाज़ चल रहा है।
- वहीं, पूर्वी सिंहभूम में म्यूकोर्मिकोसिस के 25 मामले सामने आए हैं, जो राज्य के ज़िलों में दूसरे स्थान पर है, जबकि हज़ारीबाग में 11 लोग म्यूकोर्मिकोसिस से संक्रमित पाए गए। अन्य प्रभावित ज़िलों में बोकारो में 9, धनबाद और गिरिडीह में 8-8, जबकि रामगढ़ में 7 और पलामू में 6 लोग इससे संक्रमित पाए गए।
- राज्य में हुई 31 मौतों में राँची में 11, पूर्वी सिंहभूम में पाँच, रामगढ़ में तीन, धनबाद और गोड्डा में दो-दो मौतें तथा बोकारो, चतरा, देवघर, दुमका, गढ़वा, गिरिडीह, हज़ारीबाग और कोडरमा में एक-एक मौत हुई।
- उल्लेखनीय है कि म्यूकोर्मिकोसिस एक दुर्लभ संक्रमण है, जो मिट्टी, पौधों, खाद और सड़ने वाले फलों एवं सब्जियों में पाए जाने वाले म्यूकर मोल्ड (mucor mould) के संपर्क में आने से होता है। झारखंड ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशों के बाद इस साल के शुरुआत में म्यूकोर्मिकोसिस को एक महामारी के रूप में अधिसूचित किया था।

सीसीएल अस्पतालों में कई ऑक्सीजन संयंत्रों का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

- 7 अक्टूबर, 2021 को सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने केंद्रीय अस्पताल गांधीनगर, केंद्रीय अस्पताल रामगढ़ और सीएचसी टंडवा में स्थापित 3 पीएसए ऑक्सीजन प्लांट जनता को समर्पित किये।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ऐम्स ऋषिकेश से वर्चुअल माध्यम से देश भर के 35 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 35 पीएसए ऑक्सीजन प्लांट को राष्ट्र को समर्पित किया गया।
- सीसीएल ने बोकारो ज़िला प्रशासन के साथ कोविड अस्पताल, बोकारो में दो 200 एलपीएम पीएसए संयंत्रों के निर्माण के लिये एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किये हैं।
- इसके साथ ही सीएचसी ओरमांझी और सीएचसी सोनाहातु में 2 पीएसए ऑक्सीजन प्लांट निर्माणाधीन हैं।
- गांधीनगर अस्पताल में प्लांट का उद्घाटन राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने किया, वहीं मांडू विधायक जय प्रकाश भाई पटेल ने केंद्रीय अस्पताल, रामगढ़ में ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन किया।
- कंपनी की सीएसआर नीति के तहत टंडवा, ओरमांझी और सोनाहातु में तीन संयंत्र स्थापित किये जा रहे हैं और इनकी क्षमता 200 एलपीएम है। केंद्रीय अस्पतालों- गांधीनगर और रामगढ़ के संयंत्रों की क्षमता 1,000 एलपीएम है।

झारखंड उच्च न्यायालय में 4 नये न्यायाधीशों की नियुक्ति

चर्चा में क्यों ?

- 8 अक्टूबर, 2021 को झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डॉ. रविरंजन ने चार नये जजों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

प्रमुख बिंदु

- इन नवनियुक्त न्यायाधीशों में शामिल हैं- अंबुज नाथ, गौतम कुमार चौधरी, नवनीत कुमार एवं संजय प्रसाद।
- विदित है कि सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम के द्वारा केंद्र सरकार को झारखंड उच्च न्यायालय में नियुक्ति के लिये 5 जजों के नामों की सिफारिश की गई थी, किंतु केंद्र सरकार के द्वारा चार नामों को ही स्वीकृति प्रदान की गई।
- झारखंड उच्च न्यायालय में जजों के कुल स्वीकृत पद 25 हैं, किंतु इन नई नियुक्तियों के बाद भी जजों की कुल पदस्थापित संख्या वर्तमान में केवल 19 है।
- ध्यातव्य है कि झारखंड राज्य निर्माण के पूर्व सर्वप्रथम 6 मार्च, 1972 को राँची में पटना उच्च न्यायालय के सर्किट बेंच की स्थापना की गई थी, जिसे 1976 में एक स्थायी बेंच का दर्ज़ा प्राप्त हुआ, किंतु वर्तमान रूप में झारखंड उच्च न्यायालय 15 नवंबर, 2000 को अस्तित्व में आया, जब बिहार राज्य का पुनर्गठन किया गया और एक नये राज्य झारखंड का उदय हुआ।

मोबाइल वैन से एक लाख टीका लगाने वाला ज़िला

चर्चा में क्यों ?

- 11 अक्टूबर, 2021 को राँची में मोबाइल वैन से कोविड-19 रोधी टीका लगाने की संख्या एक लाख को पार कर गई, जिससे राँची यह उपलब्धि हासिल करने वाला झारखंड का प्रथम ज़िला बन गया।

प्रमुख बिंदु

- राँची में कोरोना से बचाव के लिये 28 मई, 2021 को मोबाइल वैन से टीकाकरण की शुरुआत की गई थी, जिसने 11 अक्टूबर, 2021 को एक लाख का आँकड़ा छूकर यह रिकॉर्ड बनाया।

- प्रारंभ में केवल 2 मोबाइल वैनों के द्वारा टीकाकरण शुरू किया गया था, किंतु वर्तमान में 11 मोबाइल वैनों की सेवा ली जा रही है।
- विदित हो कि कोविड-19 टीकाकरण को लेकर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की तकनीकी समस्या तथा एक बड़ी आबादी का इंटरनेट फ्रेंडली न होने जैसी समस्या का निराकरण के उद्देश्य से मोबाइल वैक्सीनेशन की शुरुआत की गई थी, जिसमें लोग ज़िला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए फोन नंबर (7546028221) पर कॉल करके वैक्सीनेशन के लिये आग्रह कर सकते हैं।
- इस प्रक्रिया के कारण खासकर बुजुर्गों, दिव्यांगजनों तथा स्लम एरिया के असमर्थ लोगों को व्यापक लाभ हुआ।

झारखंड उच्च न्यायालय को मिला एक और न्यायाधीश

चर्चा में क्यों ?

- 11 अक्टूबर, 2021 को राष्ट्रपति द्वारा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सुभाष चंद का झारखंड उच्च न्यायालय में तबादला के लिये अधिसूचना जारी की गई।

प्रमुख बिंदु

- जस्टिस सुभाष चंद की नियुक्ति के साथ झारखंड उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या 20 हो जाएगी, जबकि झारखंड उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के कुल स्वीकृत पद 25 हैं, अर्थात् 5 पद अभी भी रिक्त हैं।
- ध्यातव्य है कि इससे पूर्व 6 अक्टूबर, 2021 को भी झारखंड उच्च न्यायालय में 4 नए जजों की नियुक्ति के लिये राष्ट्रपति द्वारा अधिसूचना जारी की गई थी तथा 8 अक्टूबर, 2021 को इन जजों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली थी।
- 8 अक्टूबर, 2021 को अंबुज नाथ, गौतम कुमार चौधरी, नवनीत कुमार, संजय प्रसाद को झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डॉ. रविरंजन ने शपथ दिलाई थी।
- विदित हो कि सर्वोच्च न्यायालय के कॉलेजियम ने झारखंड उच्च न्यायालय में नियुक्ति के लिये 5 जजों के नाम की सिफारिश की थी।

पीडीएस के तहत 58.91 लाख परिवारों को मुफ्त चावल

चर्चा में क्यों ?

- 11 अक्टूबर, 2021 को राज्य सरकार द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत राज्य में मई से नवंबर 2021 तक कुल 58.91 लाख परिवारों को मुफ्त चावल दिए जाने का लक्ष्य है।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने महामारी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए गरीब और ज़रूरतमंद राशन कार्ड धारकों को मुफ्त चावल देने की घोषणा की थी।
- आधिकारिक सूत्रों के अनुसार राज्य में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत कुल 51.20 लाख परिवार आते हैं और उन्हें 3 रुपए प्रति किलो चावल का भुगतान करना होगा।
- छत्तीसगढ़ सरकार की 'अन्नपूर्णा अन्न योजना' के तहत अंत्योदय परिवारों को 35 किलो चावल और प्राथमिकता वाले परिवारों को प्रति सदस्य 5 किलो चावल दिया जाता है।
- पीएमजीकेएवाई के तहत अंत्योदय और प्राथमिकता वाले राशन कार्ड रखने वाले परिवार के प्रत्येक सदस्य को केंद्र की योजना के अंतर्गत 5 किलो अतिरिक्त चावल मिलता है।

निफ्ट, हटिया ने जीता वेस्ट पेपर अवॉर्ड

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित 12वें सामग्री प्रसंस्करण और लक्षण वर्णन पर सम्मेलन, 2021 में 'निफ्ट' हटिया (झारखण्ड) की टीम ने अपने शोध के लिये वेस्ट पेपर अवॉर्ड जीता है।

प्रमुख बिंदु

- सम्मेलन का आयोजन ऑनलाइन मोड में किया गया था, जिसमें देश-विदेश के कुल 239 शोधकर्त्ताओं ने मटेरियल साइंस के क्षेत्र में अपना शोध प्रस्तुत किया था।
- सम्मेलन में शोध के लिये वेस्ट पेपर अवॉर्ड विजेता, निफ्ट, हटिया की टीम में प्रो. राजकुमार ओहदार के मार्गदर्शन में कुमार सत्यम, दिव्य प्रकाश श्रीवास्तव और सौरभ कुमार शामिल थे।
- सम्मेलन में भारत, इथोपिया, इराक, कजाकिस्तान, केन्या, नाइजीरिया, साउथ अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और वियतनाम जैसे देशों के शोधार्थियों ने भाग लिया।
- चार दिवसीय इस सम्मेलन में देश-विदेश के 11 प्रमुख वैज्ञानिकों ने अपना शोध संबंधित व्याख्यान दिया था।

नीति आयोग की डेल्टा रैंकिंग में झारखंड का रामगढ़ सबसे पीछे

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में नीति आयोग द्वारा जुलाई-अगस्त 2021 के सर्वे के आधार पर जारी की गई डेल्टा रैंकिंग में झारखंड के लातेहार एवं रामगढ़ को क्रमश: 111वाँ एवं 112वाँ स्थान मिला है, जबकि ओडिशा के गजपति ज़िले को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि इससे पूर्व की डेल्टा रैंकिंग में लातेहार 13वें एवं रामगढ़ 22वें स्थान पर थे, किंतु विकास योजनाओं की धीमी गति के कारण ये पिछड़ गए हैं।
- नीति आयोग द्वारा प्रारंभ की गई डेल्टा रैंकिंग देश के आकांक्षी ज़िलों में स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास तथा बुनियादी अवसंरचना जैसे विकासात्मक क्षेत्रों में वृद्धिशील प्रगति दर्शाती है।
- उल्लेखनीय है कि 2018 में प्रारंभ किये गए आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम का उद्देश्य इन ज़िलों में तेज़ी से बदलाव लाना है, जिन्होंने प्रमुख सामाजिक क्षेत्रों में तुलनात्मक रूप से प्रगति की है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) योजना

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में जारी आँकड़ों के अनुसार झारखंड में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण, आवास प्लस) के क्रियान्वयन में आदिवासी ज़िला सिमडेगा 93.25 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के साथ प्रथम स्थान पर है, वहीं 91.99 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के साथ राँची ज़िला दूसरे स्थान पर है।

प्रमुख बिंदु

- आँकड़ों के अनुसार राँची ज़िले को 2021-22 के लिये 17,958 घरों का लक्ष्य दिया गया था। इस लक्ष्य के विरुद्ध 16,520 हितग्राहियों को आवास योजना के लिये स्वीकृत किया गया है।
- राँची में खलारी प्रखंड पहला ऐसा प्रखंड बन गया है, जिसने पाँच माह पहले लक्ष्य पूरा कर लिया है। खलारी प्रखंड में वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिये 105 हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया था, जिसे पूरा कर लिया गया है।

- प्रधानमंत्री आवास योजना वर्ष 2015 में शुरू की गई थी। इस योजना का लाभ ग्रामीण क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग को दिया जाता है, जिसके पास खुद का पक्का घर नहीं है। उन्हें घर बनाने या कच्चे घर की मरम्मत के लिये आर्थिक सहायता दी जाती है। योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को 1.30 लाख रुपए और शहरी क्षेत्रों में 1.20 लाख रुपए की सहायता दी जाती है।
- पीएमएवाई (ग्रामीण) का उद्देश्य सभी बेघर गृहस्थों और कच्चे एवं जीर्ण-शीर्ण घर में रहने वाले परिवारों को बुनियादी सुविधाओं के साथ एक पक्का घर उपलब्ध कराना है।
- स्वच्छ खाना पकाने की जगह के साथ घर का न्यूनतम आकार 20 वर्गमीटर से बढ़ाकर 25 वर्गमीटर कर दिया गया है। इसी तरह मैदानी इलाकों में यूनिट सहायता 70,000 रुपए से 1.20 लाख रुपए और पहाड़ी राज्यों व दुर्गम इलाकों में 75,000 रुपए से 1.30 लाख रुपए तक बढ़ा दी गई है।
- यूनिट सहायता की लागत को केंद्र और राज्य सरकार के बीच मैदानी क्षेत्रों में 60:40 के अनुपात में और पूर्वोत्तर एवं हिमालयी राज्यों के लिये 90:10 के अनुपात में साझा किया जाना है।

कोजागरा उत्सव

चर्चा में क्यों ?

- 19 अक्तूबर, 2021 को मिथिला सांस्कृतिक परिषद (एमएसपी), बोकारो ने 'माँ लक्ष्मी पूजा' के उपलक्ष्य में बोकारो स्टील सिटी में स्थित मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल सभागार में 'कोजागरा उत्सव' का आयोजन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर एक भव्य सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें मैथिली भाषा में कलाकार अरुण पाठक, प्रीति राय, सुजाता झा, मधु झा, किरण झा, नीलू झा, किरण मिश्रा, प्रीति प्रिया, अलका झा द्वारा एकल गीत व समूह गीत प्रस्तुत किये गए।
- एमएसपी के महासचिव अविनाश कुमार झा ने कहा कि इस दिन समाज के लोग देवी लक्ष्मी की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।
- यह त्योहार अश्विन पूर्णिमा के दिन हर घर में मनाया जाता है। खासकर समाज के नवविवाहित युवकों के घर में यह बड़े त्योहार के रूप में मनाया जाता है।
- इस दिन प्रसाद के रूप में 'पान' और 'माखन' खाने की परंपरा है।

11वीं राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप

चर्चा में क्यों ?

- 20 अक्तूबर, 2021 को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सिमडेगा के एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में 11वीं राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप का उद्घाटन किया। 29 अक्तूबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में 27 राज्यों की टीमें भाग लेंगी।

प्रमुख बिंदु

- उद्घाटन मैच मेज़बान झारखंड और तमिलनाडु के बीच खेला गया। यह प्रतियोगिता अप्रैल महीने में आयोजित होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी की वजह से इसे रद्द कर दिया गया था।
- राज्य के सबसे दूरस्थ और पिछड़े ज़िलों में से एक सिमडेगा राज्य की हॉकी राजधानी के रूप में जाना जाता है। 11वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप कुछ महीने पहले यहीं आयोजित की गई थी।
- टीमों को आठ पूल में बाँटा गया है। पूल-ए में झारखंड के साथ केरल, तमिलनाडु, पूल-बी में हरियाणा, असम, राजस्थान, पूल-सी में मिज़ोरम, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पूल-डी में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर, पूल-ई में महाराष्ट्र, दिल्ली और गुजरात, पूल-एफ में चंडीगढ़, बिहार, गोवा, जम्मू और कश्मीर, पूल-जी में ओडिशा, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश तथा पूल-एच में कर्नाटक, पंजाब, पश्चिम बंगाल और लक्षद्वीप, पुदुच्चेरी की टीम को शामिल किया गया है।

- इसके अलावा मुख्यमंत्री ने सिमडेगा और खूंटी ज़िले में हॉकी के नए एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम की आधारशिला भी रखी।
- गौरतलब है कि झारखंड के सिमडेगा और खूंटी ज़िले की पहचान हॉकी की नर्सरी के रूप में होती है। इसी साल आयोजित ओलंपिक में भारतीय महिला टीम की ओर से खेलने वाली सलीमा टेटे सिमडेगा और निक्की प्रधान खूँटी की रहने वाली हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान अंसुता लकड़ा भी सिमडेगा की ही हैं।

राँची में बनेगा वर्ल्ड ट्रेड सेंटर

चर्चा में क्यों ?

- 21 अक्तूबर, 2021 को राज्य सरकार द्वारा कैबिनेट बैठक के दौरान राँची स्मार्ट सिटी में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर बनाने के लिये 27 करोड़ 42 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई।

प्रमुख बिंदु

- इस वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में अंतर्राष्ट्रीय कारोबार से संबंधित सारी सुविधाएँ एक ही परिसर में मिलेंगी। यहाँ करेंसी एक्सचेंज से लेकर मनी ट्रांसफर तक की सुविधाएँ भी मिल सकती हैं। इसके अलावा एयर कार्गो, शिप कंटेनर और निर्यात प्रबंधन की दूसरी सुविधाएँ भी मिलेंगी।
- यहाँ विदेश व्यापार महानिदेशालय का क्षेत्रीय कार्यालय और भारतीय निर्यात परिसंघ से जुडेम कार्यालय भी होंगे। इसके अलावा आयात-निर्यात से जुड़ी कंपनियों के लिये स्थान मुहैया कराए जाएंगे।
- यहाँ अंतर्राष्ट्रीय कारोबार करने वाली कंपनियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और उनके प्रचार-प्रसार के लिये भी स्थान मिलेगा।
- गौरतलब है कि यह वर्ल्ड ट्रेड सेंटर केंद्र और राज्य, दोनों के सहयोग से बनाया जाएगा, केंद्र सरकार ने राज्य सरकार को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की स्थापना के लिये 9.8 करोड़ रुपए दिये हैं। योजना की कुल लागत 48 करोड़ रुपए है।
- उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में ही केंद्र सरकार ने राँची में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर खोलने की योजना को मंज़ूरी दी थी। उसके बाद केंद्र द्वारा सहायता राशि की पहली किश्त भी राज्य सरकार को आवंटित कर दी गई थी, लेकिन अब तक योजना पर काम शुरू नहीं किया जा सका था।

'सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय प्रधानाचार्य' का पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में विज्ञान ओलंपियाड फाउंडेशन (SOF) द्वारा डीपीएस बोकारो के प्रधानाचार्य ए.एस. गंगवार को वर्ष 2020-21 के लिये 'सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय प्रधानाचार्य पुरस्कार' (Best International Principal Award) से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- नेतृत्व गुणों, शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी पहल और छात्रों की अकादमिक उत्कृष्टता की मान्यता में SOF की अकादमिक परिषद ने गंगवार को यह सम्मान दिया है।
- एक नेता के रूप में शिक्षकों की टीम को दृढ़ता और समर्पण के साथ छात्रों की शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के लिये प्रेरित करने में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका की पूरे देश में सराहना की गई।
- SOF हर साल दुनिया के 22 देशों में फैले 1400 से अधिक शहरों के 42,800 स्कूलों में राष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड, भारतीय अर्थशास्त्र ओलंपियाड, राष्ट्रीय कंप्यूटर ओलंपियाड, अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड परीक्षा आयोजित करता है।
- उल्लेखनीय है कि गंगवार पूर्वी क्षेत्र के उन गिने-चुने प्रधानाध्यापकों में शामिल हैं, जिन्हें इस वर्ष यह पुरस्कार मिला है। गंगवार को शिक्षा में उनकी सेवा के लिये कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिले हैं, जिनमें संदीपनी विशिष्ट गुरुजन सम्मान, विद्यापति शिक्षक सम्मान, प्रगतिशील प्रधानाचार्य पुरस्कार और अंतर्राष्ट्रीय प्रधानाचार्य पुरस्कार (2019-20) शामिल हैं।

'सर्वश्रेष्ठ नागरिक' का पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में अविभाजित बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिन्हा की 135वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में जमशेदपुर के जाने-माने समाजसेवी और बीजेपी के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले को 'सर्वश्रेष्ठ नागरिक' सम्मान से नवाजा गया।

प्रमुख बिंदु

- श्रीकृष्ण सिन्हा संस्थान के महासचिव हरि बल्लभ सिंह अर्सी ने अमरप्रीत सिंह काले को शॉल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर 'युग संघर्ष' नामक पुस्तक का भी विमोचन किया गया।
- इसके अलावा अर्का जैन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.एस. राजी ने प्रो. अरविंद पांडे, डॉ. मनोज पाठक, प्रो. अश्विनी कुमार सिंह, किशोर यादव, धर्मेंद्र चौहान, जुगुन पांडे और सूरज साह को समाज सेवा एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिये सम्मानित किया।
- इस अवसर पर 'युग संघर्ष' नामक पुस्तक का भी विमोचन किया गया।

झारखंड स्कूल इनोवेशन चैलेंज, 2021

चर्चा में क्यों ?

- 23 अक्तूबर, 2021 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खनिज विद्यालय), धनबाद में आयोजित अवॉर्ड समारोह में 'झारखंड स्कूल इनोवेशन चैलेंज, 2021' के विजेता का अवॉर्ड धनबाद के शुभम कुमार शर्मा को दिया गया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवॉर्ड समारोह के मुख्य अतिथि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अनुसंधान शेल के निदेशक डॉ. मोहित गंभीर थे, जिन्होंने ऑनलाइन माध्यम से समारोह में भाग लिया।
- इस प्रतियोगिता के उपविजेता का अवॉर्ड परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय, पूर्वी सिंहभूम के अंकित कुमार को दिया गया।
- विजेता को आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के निदेशक प्रो. राजीव शेखर के द्वारा एक लाख रुपए एवं उपविजेता को 75,000 रुपए की राशि प्रदान की गई।
- विदित हो कि युवा कौशल को प्रोत्साहन देने के लिये आईआईटी (आईएसएम), धनबाद ने वर्ष 1967 में नरेश वशिष्ठ सेंटर फॉर टिंकरिंग एंड इनोवेशन (NVCTI) की स्थापना की थी।
- झारखंड स्कूल इनोवेशन चैलेंज भी इसी उद्देश्य का एक भाग है, जो कक्षा 8 से 12 तक के विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक कुशलता एवं समस्या के समाधान के लिये तकनीकी तथा नवाचारी दक्षता प्रस्तुत करने हेतु एक प्लेटफॉर्म प्रदान करता है।

रोहन सरकार

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में झारखंड के रोहन सरकार को यूनाइटेड किंगडम के विश्व प्रसिद्ध लॉफबोरो स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में खेल प्रबंधन, प्रशासन और विश्लेषण पाठ्यक्रम में परास्नातक के लिये भारत से चुना गया है।

प्रमुख बिंदु

- लंदन में लॉफबोरो स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी (यूनाइटेड किंगडम) को खेल से संबंधित सभी उच्च शैक्षिक अध्ययन, अनुसंधान और विश्लेषण के लिये वर्ष 2020 में दुनिया में प्रथम स्थान प्रदान किया गया है। रोहन का सत्र 2022 से शुरू होगा।
- रोहन को उनकी योग्यता और संवादात्मक प्रदर्शन के आधार पर चुना गया है।

- रोहन सीबीएसई स्कूल चैंपियन एथलीट (स्प्रिंटर) भी रह चुके हैं। रोहन ने अपनी स्कूली शिक्षा दिल्ली पब्लिक स्कूल, बोकारो से पूरी की और खेल प्रबंधन तथा खेल विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की।
- साथ ही, इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी और स्विट्ज़रलैंड की लुसाने यूनिवर्सिटी से खेल से जुड़े कई कोर्स भी पूरे किये हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जैप-9 में पारण परेड (पासिंग आउट) का निरीक्षण किया

चर्चा में क्यों ?

- 26 अक्टूबर, 2021 को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जैप-9 में पारण परेड (पासिंग आउट) का निरीक्षण किया और सलामी ली।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षण के उपरांत आयोजित परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 15 आरक्षियों को मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 502 आरक्षियों में 94 महिलाएँ हैं। यह दर्शाता है कि पुलिस महकमे में महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा मिल रहा है।
- मुख्यमंत्री ने इस मौके पर गलवान घाटी में 16 जून, 2020 को चीनी सेना के साथ मुठभेड़ में शहीद साहिबगंज के जांबाज सैनिक कुंदन कुमार ओझा की आश्रिता नम्रता कुमारी को नियुक्ति-पत्र प्रदान किया।
- इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने 2 जुलाई, 2020 को श्रीनगर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद सीआरपीएफ के जवान कुलदीप उरांव की आश्रिता वंदना उरांव को 10 लाख रुपए अनुग्रह अनुदान की राशि प्रदान की। वे बंगाल पुलिस में पहले से ही कार्यरत् हैं।
- 11 मई, 2020 को छत्तीसगढ़ में उग्रवादी हमले में शहीद हुए साहिबगंज के रहने वाले मुन्ना यादव (सीआरपीएफ) की आश्रिता निताई कुमारी को भी इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 10 लाख रुपए की अनुग्रह अनुदान की राशि प्रदान की।

केंद्रीय ऊर्जा योजना

चर्चा में क्यों ?

- 26 अक्टूबर, 2021 को केंद्रीय ऊर्जा योजना की मॉनिटरिंग के लिये ज़िला स्तर पर कमेटी गठित करने हेतु राज्य सरकार ने अधिसूचना जारी की।

प्रमुख बिंदु

- ग्रामीण क्षेत्रों में हर एक घर में बिज़ली का कनेक्शन पहुँचे और केंद्र तथा राज्य सरकार की विद्युतीकरण से जुड़ी योजनाओं से अंतिम व्यक्ति लाभान्वित हो, इसके लिये ज़िलास्तर पर कमेटी का गठन किया जाएगा।
- इस संबंध में सरकार ने अधिसूचना जारी करते हुए कहा है कि विगत 5 वर्षों में पं. दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, समेकित ऊर्जा विकास योजना, प्रधानमंत्री हर घर बिजली सौभाग्य योजना और ग्रामीण विद्युतीकरण योजना से जुड़ी चुनौतियों से निपटने तथा आधुनिकीकरण हेतु तीन लाख करोड़ रुपए की नई योजना Revamped Distribution Sector Scheme को अधिसूचित किया गया है।
- इन योजनाओं में अधिक-से-अधिक सब स्टेशन की स्थापना और वर्तमान सब स्टेशनों को अपग्रेड करना तथा जन-भागीदारी एवं निगरानी सुनिश्चित करना है। योजनाओं के मॉनीटरिंग हेतु प्रत्येक ज़िला के लिये ज़िला विद्युत समिति (District Electricity Committee) का गठन किया गया है।
- ज़िला विद्युत समिति में ज़िला के वरिष्ठतम् सांसद (अध्यक्ष), ज़िला के अन्य सांसदगण (सह-अध्यक्ष), ज़िला उपायुक्त (सदस्य) सचिव और ज़िला पंचायत अध्यक्ष/सभापति, ज़िले के विधायकगण, संबंधित ज़िला में विद्युत मंत्रालय तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत् केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के वरिष्ठ प्रतिनिधि या उनके द्वारा नामित ज़िला अधिकारी सदस्य के रूप में होंगे।

सीमेंट प्लांट के लिये निवेश

चर्चा में क्यों ?

- 28 अक्तूबर, 2021 को झारखंड औद्योगिक एवं निवेश प्रोत्साहन नीति, 2021 (JIIPP) के अंतर्गत नई दिल्ली में आयोजित इन्वेस्टर मीट में सर्व डालमिया सीमेंट भारत लिमिटेड एवं उद्योग विभाग झारखंड सरकार के मध्य हुए एमओयू के अनुसार सीमेंट प्लांट की स्थापना के लिये सरकार ने बोकारो में ज़मीन उपलब्ध करा दी है।

प्रमुख बिंदु:

- एमओयू के अंतर्गत डालमिया सीमेंट भारत लिमिटेड को भूमि का तय समय-सीमा के अंतर्गत आवंटन, आधिपत्य एवं आवंटित भूखंड की लीज डीड प्राधिकार के स्तर से संपन्न किया गया है।
- इसके तहत करीब 577 करोड़ रुपए का निवेश सुनिश्चित हुआ। इस संयंत्र की स्थापना से प्रति वर्ष 2.0 मिलियन टन का उत्पादन होगा।
- सीमेंट संयंत्र की स्थापना का कार्य नवंबर 2021 में प्रारंभ होगा। संयंत्र का निर्माण एक वर्ष के अंदर पूर्ण होने की संभावना जताई गई है। राज्य सरकार ने संयंत्र स्थापना के लिये कंपनी को बोकारो ज़िला के बालीडीह में 16 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई है।

'ग्रामीणों की आस, मनरेगा से विकास'

चर्चा में क्यों ?

- 28 अक्तूबर, 2021 को मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी के निर्देश पर झारखंड की सभी पंचायतों में 'ग्रामीणों की आस, मनरेगा से विकास' अभियान के तहत ग्रामीणों को रोज़गार से जोड़ने के उदेश्य से रोज़गार महादिवस आयोजित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- रोज़गार महादिवस पर सभी ज़िलों के प्रखंडों में क्लस्टर स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों का ऑन स्पॉट जॉब कार्ड बनाया गया एवं वैसे श्रमिक, जिन्होंने मनरेगा के तहत 100 दिन रोज़गार प्राप्त किया है, उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।
- इस दौरान पंचायत सचिव एवं रोज़गार सेवकों के द्वारा मनरेगा योजनाओं के प्रति श्रमिकों को जागरूक किया गया तथा गाँव में संचालित योजनाओं में काम करने को लेकर प्रेरित किया गया।

11वाँ राष्ट्रीय महिला जूनियर हॉकी चैंपियनशिप

चर्चा में क्यों ?

- 29 अक्तूबर, 2021 को खेले गए राष्ट्रीय महिला जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में झारखंड की टीम हरियाणा से पराजित होकर उपविजेता बनी।

प्रमुख बिंदु

- चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में हरियाणा ने झारखंड की टीम को 3-2 से पराजित किया।
- वहीं चंडीगढ़ को 6-2 से पराजित कर महाराष्ट्र की टीम तृतीय स्थान पर रही।
- विदित हो कि 11वें राष्ट्रीय महिला जूनियर हॉकी चैंपियनशिप का आयोजन 20 अक्तूबर, 2021 से 29 अक्तूबर, 2021 तक झारखंड के ही सिमडेगा ज़िले में किया गया।
- फाइनल मुकाबले में झारखंड की तरफ से दीपिका सोरेंग एवं रूपानी कुमारी ने गोल किया।
- फाइनल में पराजित होकर झारखंड की टीम इस खिताब को लगातार तीसरी बार (हैट्रिक) जीतने से चूक गई और इस बार उसे रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा।